भारतीय विद्यालय अल वादी अल कबीर -2026-27

कक्षा-10	विभाग: हिंदी	दिनांक – 10.05.26
QUESTION BANK	पर्वत प्रदेश में पावस- सुमित्रानंदन पंत	File it in Hindi Portfolio

नाम: ____________________ अनुभाग: ____________ अनुक्रमांक: _______________

1. पावस ऋतु में प्रकृति में कौन-कौन से परिवर्तन होते हैं ? कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए। **उत्तर:**

पावस ऋतु में प्रकृति में निम्नलिखित परिवर्तन होते हैं:-

*इस ऋतु में वातावरण हर वक़्त बदलता रहता है।

*विभिन्न प्रकार के रंग-बिरंगे फूल खिल जाते हैं।

*पर्वत के नीचे फैले तालाब में पर्वत की परछाईं दिखाई देती है।

*मोती की लड़ियों की तरह बहते झरने ऐसे लगते हैं मानो वे पर्वत का गुणगान कर रहे हों।

*पर्वत पर उगे ऊँचे वृक्ष आसमान को चिंतित होकर निहार रहे हैं।

*तेज़ वर्षा के कारण चारों तरफ़ धुंध छा जाती है।

*लगता है आकाश धरती पर टूट पड़ा है और शाल के पेड़ भयभीत होकर धरती में धँस गए हैं।

*ऐसा प्रतीत होता है कि तालाब में आग लग गई है और इंद्रदेव जादू के खेल दिखा रहे हैं।

2. 'मेखलाकार' शब्द का क्या अर्थ है? कवि ने इस शब्द का प्रयोग यहाँ क्यों किया है?

उत्तर: मेखला एक आभूषण है जिसे कमर में पहना जाता है। यह ऊपर-नीचे उठती हुई तरंगों जैसी रेखा बनाती है। पर्वत श्रृंखला भी ऐसी ही दिखाई देती है। इसलिए कवि ने 'मेखलाकार' शब्द का प्रयोग किया है।

3. 'सहस्र दृग-सुमन' से क्या तात्पर्य है? कवि ने इस पद का प्रयोग किसके लिए किया होगा?

उत्तर: पहाड़ पर उग आए पेड़ों पर असंख्य रंग-बिरंगे फूल दिखाई देते हैं। ऐसा लगता है कि ये पहाड़ की असंख्य आँखें हैं। कवि ने कल्पना की है कि पहाड़ अपने फूल रुपी आँखों से नीचे तालाब रुपी दर्पण में अपना प्रतिबिंब देख रहा है।

4. कवि ने तालाब की समानता किसके साथ दिखाई है और क्यों?

उत्तर: कवि ने तालाब की तुलना विशाल दर्पण से की है। क्योंकि तालाब या किसी भी अन्य

जलराशि में पानी के साफ़ और स्वच्छ होने के कारण आस-पास की चीजों का प्रतिबिंब दिखाई देता है।

5. पर्वत के हृदय से उठकर ऊँचे-ऊँचे वृक्ष आकाश की ओर क्यों देख रहे हैं और वे किस बात को प्रतिबिंबित करते हैं?

उत्तर: पर्वत के हृदय से पेड़ उठकर खड़े हुए हैं और शांत आकाश को अपलक और अचल होकर किसी गहरी चिंता में मग्न होकर बड़ी महत्त्वाकांक्षा से देख रहे हैं। शायद पेड़ सोच रहे हैं कि वे कब आकाश को छू लेंगे l ये हमें ऊँचा उठने की प्रेरणा दे रहे हैं।

6. शाल के वृक्ष भयभीत होकर धरती में क्यों धँस गए?

उत्तर: घने कोहरे में शाल के वृक्ष दिखाई देना बंद हो गए हैं। चारों तरफ़ फैले हुए धुएँ के कारण उन्हें तालाब जलता हुआ नज़र आ रहा है l ऐसा लगता है कि वे जलने से बचने के लिए धरती में धँस गए l

7.झरने किसके गौरव का गान कर रहे हैं? बहते हुए झरने की तुलना किससे की गई है ?

उत्तर: झरने गिरि का गौरव गान कर रहे हैं l जब पहाड़ों पर वर्षा ऋतु में बादल बरसते हैं तब पर्वतों से प्रवाहित होनेवाले झरने पर्वतों का गौरवगान करते हुए झर-झर गिरते हैं और नस-नस को उत्तेजित कर देते हैं l झरते हुए झरने झाग भरे हुए होते हैं इसलिए इनकी तुलना मोती की लड़ियों से की गई है l

अन्य महत्त्वपूर्ण प्रश्न

8. कवि ने किस प्रदेश और ऋतु का वर्णन किया है तथा परिवर्तन की स्थिति किसमें दिखाई देती है ?

उत्तर– कवि ने पर्वतीय प्रदेश का वर्णन करते हुए बताया है कि किस प्रकार वर्षा ऋतु में प्रकृति के वेश, उसके रूप-आकार में परिवर्तन की स्थिति परिलक्षित होती है l यह परिवर्तन क्षण-क्षण होता है l कवि ने इसका सूक्ष्म चित्रण कविता में किया है l

9. कवि का प्रकृति-चित्रण किस प्रकार का है ?

उत्तर– पंत जी का प्रकृति-चित्रण बाल सुलभ कल्पनाओं से भरा पड़ा है l पर्वतीय इलाकों में वर्षा के दृश्य के वर्णन में धरती और आकाश एकमेक हो गए लगते हैं l ये दृश्य जादू के खेल की तरह पल-पल बदलते रहते हैं। पूरे चित्रण में मानवीकरण का प्रयोग हुआ है l कवि की भाषा चित्रात्मक है l

10. अचानक भूधर उड़ जाने से कवि का क्या आशय है ?

उत्तर– कवि कहना चाहते हैं कि जो सुंदर भूधर अभी-अभी दिखाई दे रहा था, वह अचानक गायब

हो गया l ऐसा लगता है कि वह पहाड़ बादलों के पारे जैसे धवल और चमकीले पंख लगाकर फड़फड़ाता कहीं चला गया हैl वास्तव में वर्षा ऋतु के प्रभाव से चारों ओर धुंध छा गई है l इस धुंध ने पहाड़ की सत्ता ही मिटा दी है l

11. इंद्रदेव के खेल को स्पष्ट कीजिए l

उत्तर– यह दृश्य ऐसा लगता है मानो वर्षा का देव इंद्र बादल रूपी यान पर सवार होकर अनेक प्रकार के जादू भरे खेल खेल रहा है,अर्थात पर्वत प्रदेश में वातावरण हर वक़्त बदलता रहता है l यह प्रभु का चमत्कार है, प्रकृति का करिश्मा है l

12. पर्वत प्रदेश में वर्षा ऋतु में प्राकृतिक सौंदर्य कई गुना बढ़ जाता है, परंतु पहाड़ों पर रहने वाले लोगों के दैनिक जीवन में क्या कठिनाइयाँ उत्पन्न होती होंगी ? उनके विषय में लिखिए l

उत्तर– पर्वत प्रदेश में वर्षा ऋतु में प्राकृतिक सौंदर्य कई गुना बढ़ जाता है l परंतु पहाड़ों पर रहने वाले लोगों के लिए यह मौसम कठिनाइयों का कारण भी बन जाता है l वर्षा ऋतु में बादलों का फटना, चट्टानों का खिसकना, बर्फ़ीले तूफ़ानों का आना एक आम समस्या है, जिसमें गाँव-के-गाँव तबाह हो जाते हैं l चिकित्सा-सुविधाएँ न पहुँचना, संचार व्यवस्था का ठप्प होना, सड़कों का टूटना, ऐसी अनेक समस्याएँ हैं, जिनका सामना इन पर्वतीय अंचल में रहने वाले लोगों को करना पड़ता है l